

श्वेता विज्ञान

“नजरिया साफ, ख़ब्बरें निष्पक्ष”

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रंगा रेड्डी जिले
के
अब्दुल्लापुरमेट
मंडल के
तहसीलदार
और मंडल
सर्वेयर ।ब्ट की
गिरफ्त में। 2

बुधवार 14 अक्टूबर 2026

हैदराबाद से प्रकाशित

WEB SITE : Shwetha.co.in

संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी

पृष्ठ - 1 | अंक - 29 | वर्ष - 8 | मूल्य - 3रु

जज की तबीयत खराब होने के चलते सुनवाई 15 अक्टूबर तक टाली

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्लू) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शन से पहले प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने, उन पर हमले करने और सार्वजनिक परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाने के आरोप वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई 15 अक्टूबर तक टाल दी। ऐसा पीठ में शामिल एक जज की तबीयत खराब होने के बाद किया गया।

ये मामले भारत के मुख्य न्यायाधीश (ब्लू) जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आए। दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई की कानूनी जांच तेज होने के बीच सुनवाई टाली गई है। साथ ही, कोकरोच जनता पार्टी (ब्लू) और उससे जुड़े समूहों के शनिवार के प्रदर्शन से पहले परिवहन पर बड़े पैमाने पर रोक लगा दी गई थी। सुनवाई के दौरान, ब्लू ने याचिकाकर्ताओं को बताया कि जस्टिस मोहना की तबीयत ठीक नहीं है और दोनों पक्षों के सुनवाई टालने पर सहमत होने के बाद उन्होंने कई याचिकाओं को टाल दिया।

ब्लू ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान कोर्ट के पहले के निर्देशों की अवहेलना का आरोप लगाते हुए अवमानना ध्वजी कार्यवाही में जारी नोटिस के संबंध में, पीठ ने दिल्ली



पुलिस और अन्य अधिकारियों को अपने जवाब दाखिल करने के लिए बुधवार शाम तक का समय दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई की जाएगी, वरतें उनकी फाइलिंग की कमियों को दूर कर लिया जाए। 10 अक्टूबर को दिल्ली के कर्नाट प्लेस में ब्लू के विरोध प्रदर्शन के दौरान 14 जवानों ने एक प्रदर्शनकारी को हिरासत में लिया।

10 अक्टूबर को दिल्ली के कर्नाट प्लेस में ब्लू के विरोध प्रदर्शन के दौरान 14 जवानों ने एक प्रदर्शनकारी को हिरासत में लिया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि चुनाव आयोग के कामकाज में कथित गड़बड़ियों को चुनौती देने वाली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और फरक। गठबंधन के 10 अन्य नेताओं द्वारा दायर एक अलग याचिका पर, अविध हिरासत और मेट्रो स्टेशनों को बंद करने का दावा करने वाली याचिकाओं के साथ सुनवाई होगी या नहीं। सोमवार को, ब्लू सूर्यकांत ने कहा कि मौजूदा विरोध प्रदर्शनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक विवादों में नहीं घसीटा जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अदालत के कामकाज और वकीलों तथा केस लड़ने वालों की आवाजाही में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।

ब्लू सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच वकीलों को हो रही मुश्किलों पर चिंता जताने वाली याचिकाओं की जांच करने पर

विरोध प्रदर्शनों से डरते हैं पीएम मोदी, पूरा देश जंतर-मंतर बन जाएगा: अभिजीत दिपके

हिंगोली (महाराष्ट्र): देश की लो. कर्ताविक व्यवस्था, चुनाव आयोग की भूमिका, सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी और दिल्ली में 'इंडिया ब्लॉक' के विरोध प्रदर्शनों से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक माहौल गरमा रहा है। इस बीच, कोकरोच जनता पार्टी (ब्लू) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया है कि सरकार को विरोध की खास जगह से नहीं, बल्कि जनता के विरोध में उठने के विचार से डर लगता है। दिपके ने जंतर-मंतर को निर्धारित विरोध स्थल की सूची से हटाने को लेकर भी केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अगर नरेंद्र मोदी को लगता है कि जंतर-मंतर को लिस्ट से हटाने से विरोध रुक जाएगा, तो वह गलत है। जंतर-मंतर दिल्ली में सिर्फ एक जगह नहीं है यह विरोध और प्रति. रोध का प्रतीक है। इसलिए, किसी एक जगह पर रोक लगाने से विरोध



की आवाज नहीं दब सकती। इसके उलट, उन्होंने चेतावनी दी कि पूरा देश 'जंतर-मंतर' में बदल जाएगा, और दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्लू) ज्ञानेश कुमार की भूमिका को लेकर पूछे गए सवाल पर दिपके ने कहा कि वह इस समय सुप्रीम कोर्ट या चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं के काम करने के तरीके पर और कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। चुनाव आयोग के कामकाज पर सवालहालांकि, उन्होंने चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठाया, यह देखते हुए कि

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि कानून और व्यवस्था बनाए रखना उसकी जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में, मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने के बाद, यह रवैया अपनाया जा रहा है कि अगर वे अभी वोट नहीं दे सकते, तो वे अगली बार वोट दे सकते हैं। मतदाताओं के अधिकारों का मुद्दा उठाते हुए, दिपके ने सवाल किया, "अगर मतदाताओं को बाद में वोट देने की सलाह दी जा रही है, तो क्या सुप्रीम कोर्ट इसी तरह नरेंद्र मोदी से कहेंगे कि वे इस बार चुनाव न लड़ें, बल्कि अगले चुनाव में लड़ें?" ब्लॉक के विरोध प्रदर्शन का स्वागत दिपके ने दिल्ली में फरक। ब्लॉक द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का स्वागत किया। विरोध को अहम और बहुत जरूरी बताते हुए, उन्होंने देश की सभी विपक्षी पार्टियों को एकजुट होकर ऐसे प्रदर्शन करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनाव लड़वाया था, गवर्नर बनाया था...; पीयूष गोयल ने राहुल गांधी को याद दिलाया इतिहास

कांग्रेस नेता राहुल गांधी बीते कई दिनों से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और पी की प्रक्रिया के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को राहुल गांधी पार्टी नेताओं और हजारों कार्यकर्ताओं के साथ सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचे और वहां याचिका दायर की। अब भारतीय जनता पार्टी भी राहुल गांधी पर हमलावर हो गई है और उन्हें कांग्रेस पार्टी का इतिहास याद दिलाया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय मंत्री लालन सिंह ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। पीयूष गोयल ने कहा कि कांग्रेस चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है, लेकिन अपने काम को, अपने ट्रैक रिकॉर्ड को पूरी तरह नजरअंदाज करती है।



केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- "राहुल गांधीधरुस के ट्रैक रिकॉर्ड को देखें तो इन्होंने एक चीफ इलेक्शन कमिशनर (मुख्य चुनाव आयुक्त) को पार्टी टिकट पर उम्मीदवार बनाया था, एक को युनियन कैबिनेट में लिया, दो चीफ इलेक्शन कमिशनरों को गवर्नर बनाया

और एक बार चीफ इलेक्शन कमिशनर के यह कहने पर कि उनके नीचे काम करने वाला इलेक्शन कमिशनर कांग्रेस के एजेंट की तरह काम कर रहा है, उसे निकालने से इनकार कर दिया गया। ऐसा पक्षपात हमने शायद ही किसी सरकार में देखा होगा।" पीयूष गोयल ने कहा- "चीफ इलेक्शन कमिशनर टीएन शेफन जी की ईमानदारी का कांग्रेस बड़ा गुणगान करती थी। लेकिन 1999 में उन्हें, आडवाणी जी के सामने कांग्रेस के टिकट पर खड़ा होने का मौका दिया गया। क्या यह उन्हें रिवाइड करने का काम नहीं था? एम एस गिल 1996 से 2001 तक चीफ इलेक्शन कमिशनर थे। 2000 में सिटिंग चीफ इलेक्शन

राहुल गांधी मानहानि केसय सुनवाई पूरी, 26 अक्टूबर को फैसला, कोर्ट में पेशी अनिवार्य



सुल्तानपुर: कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में मंगलवार को सुनवाई पूरी हो गई। सुल्तानपुर की एमपीएमएलए कोर्ट ने फैसले के लिए 26 अक्टूबर 2026 की तारीख तय की है। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी शुक्ला और वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय के मुताबिक, निर्णय के दिन राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना होगा। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी शुक्ला ने बताया कि न्यायालय ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद निर्णय के लिए 26 अक्टूबर की तारीख नियत की है। कहा कि न्यायालय के सम्मान और

विधिक प्रक्रिया के तहत राहुल गांधी फैसले के दिन अदालत में उपस्थित रहेंगे। वहीं, वादी भाजपा नेता विजय मिश्रा के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि अभियोजन पक्ष की ओर से बहस पूरी की जा चुकी है। बचाप पक्ष ने लिखित बहस दाखिल की थी, जिस पर उन्होंने जवाबी बहस भी की। उनके अनुसार, अदालत ने अब निर्णय की तारीख निर्धारित कर दी है। कहा कि फैसले के दिन राहुल गांधी की व्यक्तिगत उपस्थिति आवश्यक होगी और उन्हें दंड प्रक्रिया से संबंधित धारा 437। के अनुपालन की प्रक्रिया भी पूरी करनी होगी। साल 2018 की टिप्पणी से जुड़ा है मामलाआरोप है कि राहुल गांधी ने 8 मई 2018 को बेंगलुरु में भाजपा के तत्कालीन

राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, इस मामले में जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन और भाजपा नेता विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को अदालत में मानहानि का परिवाद दाखिल किया था। मामले में 27 नवंबर 2023 को अदालत ने राहुल गांधी को विचारण के लिए तलब किया था, इसके बाद 20 फरवरी 2024 को राहुल गांधी अदालत में पेश हुए थे और उनकी जमानत हुई थी। अब सबकी निगाहें 26 अक्टूबर पर टिकी हैं, जब अदालत इस बहुचर्चित मानहानि मामले में अपना निर्णय सुनाएगी।

ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में चड मोदी ने टेक्नोलॉजी की तरक्की का फायदा समाज के बड़े हिस्से तक पहुंचाने पर दिया जोर

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वह ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में 'पावर टू एम्पावर' के विजन के साथ आए थे, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि असली सवाल यह नहीं है कि पावर किसके पास है, बल्कि यह है कि लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए इसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है। फोरम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी, डेटा, गैलैज और इनोवेशन ताकत के स्रोत के तौर पर उभरे हैं और लाखों लोगों के लिए मौके बनाने के लिए इनका इस्तेमाल करने की जरूरत पर जोर दिया। पहली बार भारत में फोरम होस्ट करने के फैसले का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्लूमबर्ग के फाउंडर माइकल ब्लूमबर्ग ने सही समय पर सही जगह चुनी है। पीएम मोदी ने कहा, हर साल इस फोरम में हम इकोनॉमी, एनर्जी वगैरह पर चर्चा करते हैं। पहली बार यह भारत में हो रहा है। मैं मिस्टर ब्लूमबर्ग से कहना चाहूंगा कि उन्होंने सही समय पर सही जगह चुनी है। टेक्नोलॉजी की तरक्की का फायदा समाज के बड़े हिस्से तक पहुंचाने की जरूरत पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि फोकस इस बात पर होना चाहिए कि ताकत का इस्तेमाल कुछ लोगों तक ही सीमित रहने के बजाय लोगों को ताकतवर बनाने के लिए कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'सही सवाल यह है- इस पावर का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है? क्या टेक्नोलॉजी सिर्फ कुछ लोगों के लिए फायदेमंद होगी या करोड़ों लोगों के



लिए मौके बनाएंगी? क्या ज्ञान कुछ लोगों की ताकत रहेगा, या सभी को मजबूत बनाएगा? पीएम मोदी ने कहा कि इस नजरिए से सोच में बदलाव की जरूरत है। कंट्रोल के बजाय सहयोग और अपनी सफलता के बजाय दूसरों को सफल बनाने में मदद करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'इससे एक नई सोच पैदा होती है- मजबूत बनाने की पावर, कंट्रोल करने की पावर से आगे, सक्षम बनाने की पावर, कॉम्पिटिशन करने की पावर से आगे, सहयोग करने की पावर, सफल होने की पावर से आगे, दूसरों को सफल बनाने में मदद करने की पावर, 'प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि ज्ञान, पैसा और पावर का इस्तेमाल बड़े मकसद के लिए करने का विचार भारत के लिए नया नहीं है, उन्होंने कहा कि पावर की असली कीमत इस बात में है कि इसका इस्तेमाल कैसे

किया जाता है। पीएम मोदी ने कहा, 'यह भारत के लिए नया नहीं है। हमने हमेशा ज्ञान, पैसा और पावर को इस्तेमाल के महत्व पर जोर दिया है। पावर की असली कीमत उसके मकसद में है।' उन्होंने आगे कहा, 'जिसके पास भी ज्ञान, पैसा और पावर है, वह उसका इस्तेमाल कैसे करता है, यह बहुत जरूरी है। पावर की असली कीमत उसके मकसद में है, और आज के समय में इस मिर्कॉसफी को समझना बहुत जरूरी है। हमारी हजारों साल की परंपरा ने हमें यह सिखाया है, और भारत में हमने अपने गवर्नर और वर्क कल्चर में इसका इस्तेमाल दिखाया है। रेत में हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के आठवें एडिशन में दुनिया के 600 से ज्यादा सबसे अस्तरदार पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के लीडर शामिल हो रहे हैं। ए वर्ल्ड इन प्ले: डिफाइनिंग द न्यू लीवर्स ऑफ पावर' थीम के तहत, डेलीगेट्स

रंगा रेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट मंडल के तहस.ीलदार और मंडल सर्वेयर ।ब्ठ की गिरफ्त में।

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

।ब्ठ की ठ टीम ने रंगा रेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट मंडल के मंडल सर्वेयर ।ब्-1 श्री बटुका श्रीनिवासुलु और तहसीलदार ।ब्-2 श्री बी. सुदर्शन रेड्डी को पकड़ा। ।ब्-1 को अब्दुल्लापुरमेट (गौत और मंडल) के पास शिकायतकर्ता से 20,00,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। यह रिश्वत ।ब्-2 के कहने पर एक सरकारी काम के लिए ली जा रही थी - भूदक। गाइडलाइंस के तहत लेआउट के लिए सर्वे करना और जॉइंट इंस्पेक्शन सर्वे रिपोर्ट जारी करना। आरोपी अधिकारियों ने शुरू में 30,00,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी, जिसे बाद में घटाकर 20,00,000 रुपये कर दिया गया। रिश्वत की रकम ।ब्-1 के पास से बरामद की गई। केमिकल टेस्ट में ।ब्-1 की दोनों हाथों की उंगलियों के नतीजे पॉजिटिव आए। इस तरह, ।ब्-1 और ।ब्-2 ने अपनी सरकारी ज्यूटी गलत तरीके से और बेईमानी से निभाई।

रंगा रेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट के मंडल सर्वेयर ।ब्-1 श्री बटुका श्रीनिवासुलु और तहसीलदार ।ब्-2 श्री बी. सुदर्शन रेड्डी को गिरफ्तार करके नामपल्ली, हैदराबाद में च और ।ब्ठ मामले के माननीय प्रिंसिपल स्पेशल जज के सामने पेश किया जा रहा है। मामले की जांच चल रही है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की जानकारी गुप्त रखी गई है। फोन नंबर - 1064 (टोल-फ्री नंबर) पर



कॉल करें। अगर कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है, तो जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई के लिए ।ब्ठ के टोल-फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें। ।ब्ठ तैलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों जैसे व्हाट्स (9440446108), थ्रमइववा (जमसंदहद ।ब्ठ) और * (पहले जूजजमत, जमसंदहद ।ब्ठ) के जरिए भी संपर्क

किया जा सकता है। ।ब्ठ, तैलंगाना से संपर्क करने के लिए सभी सरकारी दफ्तरी और प्रमुख सार्वजनिक जगहों पर ।ब्ठ का फट कोड भी लगाया गया है। पीडिता शिकायतकर्ता का नाम और विवरण गुप्त रखा जाएगा। एंटी करप्शन ब्यूरो, जे., हैदराबाद।

सीनियर सिविल जज और डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी की सेक्रेटरी ने चिल्ड्रन्स होम और ओल्ड एज होम का दौरा किया

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (सेशन डिवीजन, नामपल्ली, हैदराबाद) की सेक्रेटरी श्रीमती ए. श्रीदेवी ने आज मुसीराबाद में निटिगेल चिल्ड्रन्स होम और सिस्टर्स होम ओल्ड एज होम का दौरा किया। निटिगेल चिल्ड्रन्स होम के दौरे के दौरान, श्रीमती ए. श्रीदेवी ने बच्चों से बातचीत की और उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, रहने की व्यवस्था, रोजमर्रा की गतिविधियों और सामान्य भलाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मैनेजमेंट को सलाह दी कि वे बच्चों के लिए सुरक्षित और सुखद माहौल दें और उनके शैक्षिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी मदद दें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना और यह पक्का करना कि उनके साथ किसी भी तरह का अन्याय न हो, संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इसके बाद, उन्होंने मुसीराबाद में सिस्टर्स होम ओल्ड एज होम का दौरा किया, जहाँ उन्होंने वहाँ रहने वाले बुजुर्गों से बात की और उनके स्वास्थ्य, खान-पान, रहने की व्यवस्था, मेडिकल सुविधाओं और अन्य जरूरतों के बारे में पूछा। उन्होंने बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने, उनकी हेल्थकेयर को प्राथमिकता देने और यह पक्का करने पर जोर दिया कि वे साफ-सुथरे माहौल में सुरक्षित रहें। यह बताया गया कि डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के जरिए योग्य लोगों को मुफ्त कानूनी मदद मिलती है, जिसमें बच्चों के अधिकार, बुजुर्गों की भलाई, भरण-पोषण और अन्य कानूनी मामले शामिल हैं। इस बात पर जोर दिया गया कि समाज के कमजा. र वर्गों को न्याय दिलाने के लिए संबंधित विभागों को मिलकर काम करना चाहिए।

इस कार्यक्रम में चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर श्री विजया भास्कर, चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (बि) के सदस्य, ओल्ड एज होम के इंचार्ज और डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के श्री केशव रेड्डी



शामिल हुए। इस दौरे के जरिए, डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी ने बच्चों और बुजुर्गों की भलाई,

उनके अधिकारों की रक्षा और जरूरी कानूनी मदद देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

जंतर-मंतर मार्च: दो पूर्व सीएम माणिक सरकार और पिनाराई विजयन हिरासत में, दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को सुरक्षा के कड़े और बहुस्तरीय इंतजामों के बीच, दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो पूर्व मुख्यमंत्रियों— माणिक सरकार और पिनाराई विजयन, को हिरासत में लिया। ये दोनों नेता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (पे) के विरोध में और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर आयोजित एक प्रदर्शन में शामिल होने की कोशिश कर रहे थे। यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय के उस निर्देश के बाद दिल्ली भर में व्यापक सुरक्षा बलों की तैनाती के बीच हुई, जिसमें 'कैंकरोय जनता पार्टी' और उसके सहयोगी संगठनों द्वारा जंतर-मंतर की तरफ निकाले जाने वाले मार्च के खिलाफ देशव्यापी धरपकड़ के आदेश दिए गए थे। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार और केरल



के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन इस विरोध मार्च में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। इनके अलावा, त्रिपुरा के पूर्व मंत्री जितेंद्र चौधरी को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। प्रदर्शनकारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (पे) की प्रक्रिया पर रोक लगाने और ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाने की मांग

कर रहे थे। प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति न मिलने के कारण, दिल्ली पुलिस ने पूरी राजधानी में एहतियाती कदम और कड़े कर दिए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को इकट्ठा होने और तय प्रदर्शन स्थलों की तरफ मार्च करने से रोकने के लिए स्थानीय स्थानों पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया। इसी बीच एक अन्य घटनाक्रम में, माकपा (बि-ड) के राज्यसभा सांसद ए.ए. रहीम ने 'स्टुडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एफ) के हिरासत में लिए गए अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर गांगलोई स्टेडियम में एक नए आंदोलन की घोषणा की, जिसे उन्होंने 'जंतर-मंतर 2.0' का नाम दिया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि लगभग 300 छात्रों को हिरासत में लेकर स्टेडियम ले जाया गया है। सांसद रहीम ने मुख्य हड़ताल की भी घोषणा की है। प्रदर्शनकारी छात्र छात्राओं के साथ कथित

पहाड़ों में बर्फबारी से बदला मौसम का मिजाज, यूपी-दिल्ली में बारिश का अलर्ट, उत्तराखंड-हिमाचल में ओले गिरेंगे

पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी से मैदानी इलाकों में मौसम बदला बदला सा नजर आ रहा है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा सहित कई राज्यों में आज भी बारिश, तेज हवाओं का दौर जारी रहने की संभावना है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में बारिश और गरज-चमक के साथ 60 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलने का अनुमान है। वहीं पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में कुछ जगहों पर कल और परसों यानी 14 और 15 अक्टूबर को भी बारिश के साथ ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है। कहा कहा बरसों बाद बिहार और झारखंड से जहां मौसम अब विदा लेने को है तो वहीं आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी-पूर्वी राजस्थान में 50 किमी प्रति घंटे की तेज रफ्तार से हवाओं के साथ हल्की बारिश के आसार हैं। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ के साथ दिल्ली-एनसीआर में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और पहाड़ों की बात करें तो आज हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ जगहों पर ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली के मौसम की बात करें तो आज आसमान में बादल छाए रहेंगे, कहीं कहीं हल्की बारिश हो सकती है। तेज बारिश के आसार नहीं हैं। दिल्ली में कल यानी 12 अक्टूबर को अच्छी बारिश रिपोर्ट की गई थी। हिमालय क्षेत्र में उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। केरल, माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अगले 3 से 4 दिना. भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। कहा कहा हो रही मौसम की वापसी मौसम विभाग का कहना है कि 2-3 दिनों में दक्षिण पश्चिम मौसम के लौटने की संभावना है। उत्तर पूर्व मौसम के अगले 5-6 दिनों में लौटने की संभावना है। इससे आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और पुडुचेरी के कई इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। बिहार के सुपौल, झारखंड के रांची, छत्तीसगढ़ के बीजापुर, ओडिशा के सुंदरगढ़, तैलंगाना के हैदराबाद और कर्नाटक के बेलगावी और गोवा के पणजी से होकर जा रही है। अगले दो दिनों में यहां से मौसम की वापसी हो जाएगी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के साथ बंगाल, बिहार और झारखंड से भी मौसम की वापसी शुरू हो गई है।



बदला बदला रहेगा मौसम का मिजाज

लखनऊ में रोडवेज के ड्राइवर-कंडक्टरों का प्रदर्शन, बसों के पहिए थमने से यात्रियों की बड़ी परेशानी



लखनऊ: उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग और यूपी रोडवेज की नीतियों से परेशान चालक - परिचालकों ने राजधानी लखनऊ के अवध बस स्टेशन पर बसों का संचालन ठप कर दिया। बसों के पहिए थमने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल अवध वाहनों के संचालन के चलते रोडवेज को काफी घाटा उठाना पड़ रहा है। सरकारी बस की सवारियों को भी वो लोग छीन ले जाते हैं। संविदा के चालक परिच, लक लोड फैक्टर नहीं ला पाते हैं तो उनसे रिकवरी होती है। इन्हीं सब मुद्दों को लेकर मंगलवार को चालक -परिचालकों का आक्रोश भड़क उठा। रोडवेज के चालक-परिचालकों का आरोप है कि बस स्टेशन के मुख्य द्वार के सामने किए गए ड्रायवर्जनों की वजह से परिवहन निगम की बसें यात्रियों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। जिन स्थानों पर रोडवेज बसों को यात्रियों को लेने के लिए पहुंचना चाहिए, वहां निजी बसें और प्राइवेट कारें पहुंच रही हैं। ऐसे हालात में परिवहन निगम के साथ साथ चालक-परिचालकों की आय पर भी असर पड़ रहा है। परिवहन विभाग के कर्मचारियों का आरोप है कि निर्धारित आय पूरी नहीं होने पर उनके वेतन से कटौती की जाती है। इसी कटौती को रोकने और 50 प्रतिशत आय की बाध्यता खत्म करने की मांग को लेकर ड्राइवर कंडक्टर लगातार विरोध जता रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि आला अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच रहे हैं। पुलिस प्रशासन और कर्मचारियों के बीच लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। बसों का संचालन ठप होने से यात्रियों को सफर करने में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं हंगामा होने के बाद परिवहन निगम के अधिकारी अब कर्मचारियों के बाद लिया गया, दरअसल लंबित समस्याओं के समाधान और कथित उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों पर रोक लगाने की मांग को लेकर ये वार्ता आयोजित की गई थी। परिषद के शाखा अध्यक्ष सुरेश कुमार वर्मा और मंत्री कान्तेश कुमार शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों की लंबित समस्याओं और उनके खिलाफ की जा रही कथित उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों के संबंध में सात अक्टूबर को नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद नौ अक्टूबर को द्विपक्षीय वार्ता हुई, लेकिन उसमें समस्याओं का निर्णायक समाधान नहीं हो सका। 12 अक्टूबर को दोबारा हुई वार्ता में भी कर्मचारियों की समस्याओं और पूर्व में बनी सहमतियों के अनुपालन को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। परिषद नकहा कि पूर्व घोषित आंदोलनात्मक कार्यक्रम जारी रहेगा। इसके तहत 16 अक्टूबर को सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। परिषद के पदाधिकारियों ने चेता.

[illegible]

सऊदी अरब पर हमलों के बीच अजीत डोभाल ने ईरान के 'मबनतपजल बीपम' से बात की, क्षेत्रीय सुरक्षा पर मंथन

नई दिल्ली: राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने ईरान की सुप्रीम गैरनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई से फोन पर बात की है। जानकारी के मुताबिक डोभाल ने रेजाई से पश्चिम एशिया में मौजूदा सुरक्षा के हालात पर चर्चा की। क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के साथ दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर भी दोनों के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ। किन मुद्दों पर हुई चर्चा? भारत में ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बातचीत की जानकारी दी। दूतावास के मुताबिक, दोनों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम तथा आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, भारत सरकार की ओर से इस बातचीत को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक सऊदी अरब पर हुए ताजा हमलों पर भी बात हुई। खासतौर पर सऊदी अरब के एयरपोर्ट्स पर हुआ हमला, जिसमें एक भारतीय की भी मौत हो गई थी। सऊदी अरब के रियाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए एक बड़े हमले में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि 300 लोग घायल हो गए। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की थी। भारत ने साफ तौर पर कहा था कि सऊदी अरब में नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचों पर बार-बार किए जा रहे हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। इन्हें तत्काल रोकना चाहिए। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शिप पर हमलों से भारत चिंतित। तहालाकि डोभाल और रेजाई के बीच हुई बातचीत पर भारत की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। भारत लगातार बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए वेस्ट एशिया संकट के सॉल्यूशन की मांग करता रहा है। भारत ओमान की खाड़ी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मर्वेट शिप पर हो रहे हमलों को लेकर भी चिंतित है। क्योंकि इनसे भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर खतरा पैदा हो रहा है। रविवार को डच पेट्रो डॉल्लिफन पर हमला विदेश मंत्रालय (डम) के मुताबिक स्ट्रेट ऑफ

होर्मुज में रविवार को डच पेट्रो डॉल्लिफन नाम के एक कमर्शियल शिप पर हमला हुआ। इस शिप पर 11 भारतीय क्रू मेंबर थे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 11 भारतीय नाविकों में से दो लापता बताए जा रहे हैं। शिप डच वाल्थेरा पर भी हमला एक और शिप डच वाल्थेरा पर भी हमला हुआ। यह जहाज एक एक अनजान प्रोजेक्टाइल से टकरा गया जिससे इसमें आग लग गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि डच वाल्थेरा पर सवार सभी 11 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। माना जा रहा है कि डोभाल और रेजाई के बीच बातचीत में मर्वेट शिप पर हमलों का मुद्दा भी उठा। ये भी पढ़ें इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए एक बड़े हमले में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि 300 लोग घायल हो गए। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की थी। भारत ने साफ तौर पर कहा था कि सऊदी अरब में नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचों पर बार-बार किए जा रहे हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। इन्हें तत्काल रोकना जाना चाहिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शिप पर हमलों से भारत चिंतित। तहालाकि डोभाल और रेजाई के बीच हुई बातचीत पर भारत की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। भारत लगातार बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए वेस्ट एशिया संकट के सॉल्यूशन की मांग करता रहा है। भारत ओमान की खाड़ी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मर्वेट शिप पर हो रहे हमलों को लेकर भी चिंतित है। क्योंकि इनसे भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर खतरा



ओमान की खाड़ी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मर्वेट शिप पर हो रहे हमलों को लेकर भी चिंतित है। क्योंकि इनसे भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर खतरा पैदा हो रहा है। रविवार को डच पेट्रो डॉल्लिफन पर हमला विदेश मंत्रालय (डम) के मुताबिक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रविवार को डच पेट्रो डॉल्लिफन नाम के एक कमर्शियल शिप पर हमला हुआ। इस शिप पर 11 भारतीय क्रू मेंबर थे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 11 भारतीय नाविकों में से दो लापता बताए जा रहे हैं। शिप डच वाल्थेरा पर भी हमला एक और शिप डच वाल्थेरा पर भी हमला हुआ। यह जहाज एक एक अनजान प्रोजेक्टाइल से टकरा गया जिससे इसमें आग लग गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि डच वाल्थेरा पर सवार सभी 11 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। माना जा रहा है कि

कोल इंडिया के उत्पादन में तेजी, डब्लू कोयला उत्पादन में टॉप, ठक्कर में भी 20: से ज्यादा वृद्धि, जानें अन्य अनुषंगी कंपनियों का प्रदर्शन



धनबाद: कोल इंडिया के सितंबर के उत्पादन आंकड़े जारी हो गए हैं। सितंबर में कंपनी ने 53.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है, जो पिछले साल के मुकाबले 9.22 फीसदी अधिक है। खास बात यह है कि ब्रिक्स पदक की सात प्रमुख अनुषंगी कंपनियों में से ज्यादातर ने सितंबर में पिछले साल की तुलना में उत्पादन बढ़ाया है। धनबाद की ठक्कर ने भी कोयला उत्पादन में 20.71 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। वहीं डब्लू, ब्स् और ब्स् की वृद्धि इससे भी ज्यादा रही। नेशनल कोल द्वारा आंकड़े जारी कोल इंडिया के आधिकारिक छत्रपदक ब्रिक्स चतुर्जस पर 30 सितंबर 2026 तक के आंकड़े जारी किए गए हैं। सितंबर में कोल इंडिया ने 53.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है, कंपनी ने अपने सितंबर लक्ष्य 51.55 मिलियन टन के मुकाबले 103.77 फीसदी कोयले का उत्पादन किया है। सालाना तुलना में उत्पादन वृद्धि 9.22 फीसदी रही। अनुषंगी कंपनियों में कोयला उत्पादन कैसा रहा सबसे ज्यादा उत्पादन डीएनए ब्रिक्सपदक स्पउपजमक यानी डब्लू ने किया है। सितंबर में डब्लू का उत्पादन करीब 17.65 मिलियन टन रहा और इसमें 22.30 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। इसके बाद वनजी म्जमतद ब्रिक्सपदक स्पउपजमक यानी ब्स् ने करीब 11.40 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। ब्स् के उत्पादन में करीब 6.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं छवतजीमतद ब्रिक्सपदक स्पउपजमक यानी छब्लू ने सितंबर में करीब 8.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। हालांकि छब्लू के उत्पादन में करीब 26 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। म्दजतस ब्रिक्सपदक स्पउपजमक यानी ब्स् का सितंबर उत्पादन 5.70 मिलियन टन रहा, कंपनी के उत्पादन में 27.48 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं म्जमतद ब्रिक्सपदक स्पउपजमक यानी ब्स् ने करीब 4.10 मिलियन टन उत्पादन किया। ब्स् के उत्पादन में करीब 85.5 फीसदी की सबसे तेज वृद्धि दर्ज हुई। वहीं म्जमतद ब्रिक्सपदक स्पउपजमक यानी ब्स् ने सितंबर में करीब 3.52 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। ब्स् की सालाना वृद्धि 2.45 फीसदी रही। ठक्कर में 20.71 फीसदी उत्पादन बढ़ावहीं धनबाद की सबसे अहम कंपनी टीएनटी ब्रिक्सपदक ब्रिक्स स्पउपजमक यानी ठक्कर ने सितंबर में 2.57 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। कंपनी का लक्ष्य 2.52 मिलियन टन था। यानी ठक्कर ने अपने मासिक लक्ष्य का 101.69 फीसदी हासिल किया है। पिछले साल सितंबर की तुलना में ठक्कर का उत्पादन 20.71 फीसदी बढ़ा है। अनुषंगी कंपनियों के कोयला डिस्पैच के आंकड़े सितंबर में कोल इंडिया का कुल कोयला ऑफटेक 60.62 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 12.36 फीसदी ज्यादा है। ऑफटेक में भी ब्स् ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है। सितंबर में ब्स् का ऑफटेक करीब 5.77 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 92.18 फीसदी ज्यादा है। ब्स् का ऑफटेक 6.49 मिलियन टन रहा और इसमें 31.55 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। डब्लू ने 18.65 मिलियन टन कोयला डिस्पैच किया, जिसमें 14.76 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। ठक्कर का सितंबर ऑफटेक 3.14 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 13.41 फीसदी ज्यादा है। अप्रैल से सितंबर तक के आंकड़ों में ब्रिक्स पदक का कुल ऑफटेक 381.76 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 7.69 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में ठक्कर का ऑफटेक 16.37 मिलियन टन रहा, वहीं ब्स् का 42.40, ब्स् का 27.24, डब्लू का 109.18, छब्लू का 61.80, म्स् का 89.89 और ब्स् का 34.88 मिलियन टन ऑफटेक दर्ज किया गया। यानी सितंबर में कोल इंडिया के उत्पादन और ऑफटेक दोनों में बढ़ोतरी हुई है। अनुषंगी कंपनियों में डब्लू, ब्स् और ब्स् के उत्पादन में तेज वृद्धि रही, जबकि छब्लू के आंकड़ों में गिरावट देखी गई। धनबाद की ठक्कर ने उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए 20.71 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की है। बीसीसीएल के अधिकारी ने अपने कंपनी के उत्पादन की पुष्टि की है। अब नजर बित्त वर्ष की दूसरी छमाही पर है। देखना होगा कि उत्पादन और ऑफटेक की सितंबर वाली रफतार आगे भी कायम रहती है या नहीं।

यूपी दरोगा भर्ती-2025: हाईकोर्ट ने नियुक्ति पत्र वितरण पर लगाई रोक, उत्तर कुंजी विवाद पर सरकार से जवाब तलब

धनबाद: यूपी पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती 2025 मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस से उपनिरीक्षक (नागरिक पुलिस), प्लाटून कमांडर (पीएससी) और अग्निशमन द्वितीय अधिकारी सहित अन्य संबंधित 4543 पदों पर भर्ती प्रक्रिया के तहत नियुक्ति पत्र जारी करने पर अगली सुनवाई तक रोक सरकार की ओर से बार-बार स्थगन मांगे जाने पर लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने श्याम सुंदर व दो अन्य याचियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचियों के अधिवक्ता संजय कुमार यादव ने बताया कि याचिकाओं में परीक्षा की उत्तर कुंजी में कुछ प्रश्नों के उत्तरों की सत्यता और शुद्धता को चुनौती दी गई है। हालांकि भर्ती का अंतिम परिणाम पहले ही घोषित किया जा चुका है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि राज्य सरकार अर्द्धमूर्ति बोर्ड की ओर से बार-बार स्थगन मांगा जा रहा था। मामले की स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने आदेश दिया कि मामले की अगली सुनवाई तक उक्त विज्ञापन के क्रम में कोई भी नियुक्ति पत्र जारी न किया जाए। साथ ही इस मामले को अन्य संबद्ध याचिकाओं के साथ नौ अक्टूबर को दोपहर दो बजे फेरा मामले के रूप में सुचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगली तारीख पर किसी भी पक्ष को कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। साथ ही विपक्षियों को विवादित प्रश्नों



GST के नाम पर रास्ते में नहीं रोके जाएंगे ट्रक, सरकार करने जा रही है बड़ा बदलाव जानें नए नियम से किसे मिलेगी राहत

देशभर में सामान लेकर एक राज्य से दूसरे राज्य जाने वाले ट्रक ड्राइवरों और कारोबारियों के लिए राहत की खबर है। जल्द ही जीएसटी (जैज) अधिकारियों के लिए रास्ते में चलते मालवाहक वाहनों को रोककर जांच करना आसान नहीं होगा। सरकार नियमों में बदलाव करने जा रही है, जिसके बाद सामान की जांच मुख्य रूप से उसी राज्य में हो सकेगी, जहां से माल भेजा गया है या जहां उसे पहुंचना है। बीच के राज्यों के अधिकारी अपनी मर्जी से वाहन नहीं रोक सकेंगे। हालांकि, इसके लिए कुछ जरूरी शर्तें भी होंगी। 18 अक्टूबर को हुई जैज काउंसिल की 57वीं बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नए प्रावधानों के तहत माल लेकर जा रहे वाहन को रोकने का अधिकार माल भेजने वाले राज्य और माल पहुंचने वाले राज्य के अधिकारियों तक सीमित रहेगा। बीच में पड़ने वाले राज्यों के अधिकारी सामान्य तौर पर ऐसे वाहनों को रोककर जांच नहीं कर सकेंगे। हालांकि, ये नियम अधिसूचित होने के बाद लागू होंगे। वरिष्ठ अधिकारी की मंजूरी जरूरी नए नियमों के तहत किसी वाहन को केवल संदेह के आधार पर नहीं रोका जा सकेगा। इसके लिए विशेष खुफिया जानकारी या ठोस इनपुट होना जरूरी होगा। साथ ही, वाहन रोकने से पहले ज्वाइंट कमिशनर या उससे ऊपर के रैंक के अधिकारी की मंजूरी लेनी होगी। इसका उद्देश्य जीएसटी जांच के नाम पर कारोबारियों को बेवजह परेशान करने और बिना ठोस आधार के वाहनों को रोकने की घटनाओं पर अंकुश लगाना है। अधिकारियों को जांच के लिए उचित आधार बताना होगा। ई-वे बिल और दूसरे दस्तावेज रहेंगे जरूरी कारोबारियों और ट्रांसपोर्टर्स को क्या फायदा होगा?



नियमों में बदलाव का मतलब यह नहीं है कि माल की आवाजाही के दौरान दस्तावेजों की जरूरत खत्म हो जाएगी। जीएसटी के तहत 50,000 रुपये या इससे अधिक मूल्य के सामान को ले जाने के लिए सामान्य तौर पर ई-वे बिल जरूरी है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय और राज्य के भीतर होने वाली माल डुलाई पर लागू होता है, निर्धारित अपवादों के अधीन। नए प्रावधान लागू होने के बाद भी ई-वे बिल और अन्य जरूरी दस्तावेजों का विवरण सिस्टम में मिलान किया जाएगा। यानी कारोबारियों को दस्तावेज पूरे रखने होंगे। फिलहाल रास्ते में पड़ने वाले राज्यों के जीएसटी अधिकारी भी वाहनों को रोककर दस्तावेज मांग सकते हैं। इससे कई बार माल की डिलीवरी में देरी और कारोबारियों को परेशानी हो सकती है। उदाहरण के लिए, अगर दिल्ली से पंजाब जा रहे किसी ट्रक को हरियाणा में रोक लिया जाता है, तो नए नियम लागू होने के बाद ऐसी कार्रवाई की वैधता पर सवाल उठाया जा सकेगा। इससे ट्रांसपोर्टर्स को अनावश्यक जांच से राहत मिलने और माल की आवाजाही अधिक सुचारु होने की उम्मीद है।

फिलहाल रास्ते में पड़ने वाले राज्यों के जीएसटी अधिकारी भी वाहनों को रोककर दस्तावेज मांग सकते हैं। इससे कई बार माल की डिलीवरी में देरी और कारोबारियों को परेशानी हो सकती है। उदाहरण के लिए, अगर दिल्ली से पंजाब जा रहे किसी ट्रक को हरियाणा में रोक लिया जाता है, तो नए नियम लागू होने के बाद ऐसी कार्रवाई की वैधता पर सवाल उठाया जा सकेगा। इससे ट्रांसपोर्टर्स को अनावश्यक जांच से राहत मिलने और माल की आवाजाही अधिक सुचारु होने की उम्मीद है।

जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती, दिल्ली पुलिस के आदेश पर उठे सवाल

दिल्ली में जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के दिल्ली पुलिस के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस मामले में पहले से लंबित एक याचिका में अर्जी दाखिल कर पुलिस के नए आदेश पर सवाल उठाए गए हैं। अर्जी में रामलीला मैदान समेत प्रदर्शन के लिए तय किए गए तीन नए स्थलों को लेकर भी आपत्ति जताई गई है। दिल्ली में निर्धारित किए गए 3 नए प्रदर्शन स्थल दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने 11 अक्टूबर को आदेश जारी कर जंतर-मंतर की जगह तीन नए प्रदर्शन स्थल निर्धारित किए थे। इनमें रामलीला मैदान, बुराडी मैदान और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी (खब) ग्राउंड शामिल हैं। पुलिस के इस फैसले के बाद अब इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। जंतर-मंतर को हटाए जाने से खड़े हुए सवाल जंतर-मंतर लंबे समय से दिल्ली में विरोध प्रदर्शन और धरना-प्रदर्शन के प्रमुख केंद्रों में रहा है। विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और दूसरे समूहों ने यहां अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किए हैं। ऐसे में जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने के फैसले पर कानूनी सवाल खड़े हो गए हैं। आपत्तियों पर विचार किए जाने की मांग सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अर्जी के जरिए दिल्ली



आपत्तियों पर विचार किए जाने की मांग सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अर्जी के जरिए दिल्ली

पुलिस के आदेश की वैधता और प्रदर्शन के लिए निर्धारित नए स्थानों को लेकर उठाई गई आपत्तियों पर विचार किए जाने की मांग की गई है। हालांकि,

गया जी के इस मंदिर में लोग जीते-जी करते हैं अपना पिंडदान और श्राद्ध, जानिए इसके पीछे की क्या है वजह और धार्मिक मान्यताएं

पितृ पक्ष पितरों को समर्पित होता है। यह समय पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए अति उत्तम माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पितृ पक्ष में पूर्वज धरतीलोक पर आते हैं और अपने वंशजों पर आशीर्वाद बरसाते हैं। यही वजह है कि पितृ पक्ष में पितरों को प्रसन्न करने और उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। पिंडदान एक पवित्र श्राद्ध कर्म है जो दिवंगत आत्माओं की शांति और मोक्ष के लिए किया जाता है। माना जाता है कि बिहार के गया जी में पितरों का पिंडदान करने से पूर्वजों को आशीर्वाद प्राप्त होता है और उनकी मोक्ष यात्रा सुनिश्चित होती है।

गया जी में पिंडदान का महत्व मान्यता है कि गया जी वह पवित्रतम स्थान है जहां भगवान विष्णु ने पूर्वजों को मोक्ष प्रदान किया था। विष्णुपुराण और वायुपुराण में गया जी को मोक्ष की भूमि कहा गया है। इसे विष्णु नगरी के रूप में भी जाना जाता है। कहते हैं यहां स्वयं विष्णु पितृ देवता के रूप में मौजूद हैं। शास्त्रों में कहा गया है गया जी वो स्थान है जहां पिंडदान करने से 108 कुलों और आने वाली सात पीढ़ियों का उद्धार होता है। गया में इस समय 48 वेदियां हैं, जहां पर पितरों का पिंडदान किया जाता है। यहीं पर एक जगह है— अक्षयवट, जहां पितरों के निमित्त दान करने की परंपरा है।



गया जी में एक ऐसा मंदिर भी जहां लोग जीवित रहते हुए स्वयं अपना पिंडदान और श्राद्ध करते हैं। गया के इस अनोखे और प्रसिद्ध मंदिर का नाम जनार्दन मंदिर है, जो भस्मकूट पर्वत पर स्थित है। पितृ पक्ष के दौरान यहां भक्तों की भारी भीड़ रहती है। गया जी में स्थित यह इकलौता ऐसा मंदिर है जहां लोग जीते-जी अपना पिंडदान करते हैं। इस मंदिर में भगवान विष्णु जनार्दन स्वरूप में विराजमान हैं। जीवित रहते पिंडदान करने के पीछे की वजह और धार्मिक मान्यताएं हिंदू धर्म में मृत्यु पश्चात दिवंगत की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए पिंडदान करना अत्यंत जरूरी होता है। माना जाता है कि मृत्यु के बाद अगर किसी का पिंडदान और तर्पण नहीं जाता है तो उसकी आत्मा को शांति नहीं मिलती है और धरती पर ही भटकती रहती है। ऐसे

में जिनकी कोई संतान नहीं है या फिर परिवार में ऐसा कोई नहीं जो उनका पिंडदान करें। तब ऐसे लोग मरने से पहले गया जी के जनार्दन मंदिर में जीवित रहते हुए अपना पिंडदान करते हैं। इसके अलावा जो लोग वैराग्य या संन्यास ले लेते हैं वे भी इस मंदिर में अपना पिंडदान करने के लिए आते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जनार्दन मंदिर में भगवान विष्णु खुद पिंड ग्रहण करते हैं।

मृत्यु के बाद पिंडदान करने की जरूरत नहीं पड़ती। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गया जी में अगर कोई व्यक्ति जीवित रहते हुए अपना श्राद्ध और पिंडदान करता है तो उसकी मृत्यु के बाद उसके परिजनों को श्राद्ध कर्म नहीं करना पड़ता है। पिंडदान करने के बाद मृत्यु के बाद आत्मा को यमलोक या अन्य लोक

स्मोकिंग के अलावा, जीवनशैली की ये 4 आदतें भी आपके फेफड़ों को पहुंचा सकती हैं नुकसान

जब लोग फेफड़ों को होने वाले नुकसान के बारे में सोचते हैं, तो आमतौर पर सबसे पहले स्मोकिंग का ही ख्याल आता है, हालांकि क्रोनिक फेफड़ों की बीमारी और फेफड़ों के कैंसर के लिए तंबाकू अभी भी मुख्य और रोकी जा सकने वाली वजह है, लेकिन यह एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो सांस लेने की सेहत पर असर डालती है, रोजमर्रा की जीवनशैली की आदतें धीरे-धीरे फेफड़ों की कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचा सकती हैं, यहां तक कि उन लोगों में भी जिन्होंने कभी स्मोकिंग नहीं की है स्मोकिंग के अलावा आपकी लाइफस्टाइल की वे आदतें जो आपके फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जो इस प्रकार हैं—



खुशबूदार मोमबत्तियों, बायोमास ईंधन या खाना पकाने से निकलने वाले धुएँ (खासकर जब हवा आने-जाने की सही जगह न हो) के संपर्क में आते हैं, ये सभी सांस की नली में जलन पैदा कर सकते हैं, इन प्रदूषकों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से अस्थमा बढ़ सकता है, एलर्जी हो सकती है या सांस की पुरानी बीमारियाँ हो सकती हैं, खान-पान की आदतें डाइट का फेफड़ों की सेहत पर असर पड़ता है, बहुत ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड, मीठे ड्रिंक्स और अनहेल्दी फैट्स खाने से शरीर में लंबे समय तक रहने वाली सूजन (क्रोनिक इन्फ्लेमेशन) हो सकती है, जिससे फेफड़ों के काम करने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है, इसके अलावा, फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों, नट्स और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर संतुलित डाइट में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फेफड़ों के टिशू को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं, ज्यादा वजन या मोटापा ज्यादा वजन या मोटापे से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है, क्योंकि शरीर का अतिरिक्त वजन हायाफ्राम और छाती की दीवार की गति को रोकता है, जिससे फेफड़ों का पूरी तरह से फैलना मुश्किल हो

जाता है, नतीजतन, रोजमर्रा के कामों के दौरान भी सांस फूल सकती है और ऑक्सिडेटिव स्लीप एपनिया जैसी स्थितियों का खतरा बढ़ जाता है, इन बातों पर भी खास ध्यान देना सांस से जुड़ी लगातार बनी रहने वाली समस्याओं को नजरअंदाज करना एक आम गलती है, तीन हफ्ते से ज्यादा समय तक खांसी, बिना किसी साफ वजह के सांस फूलना, सांस लेते समय घरघराहट की आवाज आना, सीने में बेचौनी या खांसी के साथ खून आना जैसे लक्षणों को सिर्फ मामूली इन्फेक्शन या मौसमी एलर्जी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, शुरुआती दौर में डॉक्टर से सलाह लेने से अस्थमा, क्रोनिक ऑक्सिडेटिव पल्मोनरी डिजीज (क्विक), फेफड़ों के इन्फेक्शन या फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों का पता ऐसे स्टेज पर चल सकता है जब उनका इलाज करना आसान होता है, फेफड़ों की सेहत बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका आसान और नियमित आदतें अपनाना है, इनमें शारीरिक रूप से एक्टिव रहना, वजन सही रखना, पोस्टिक खाना खाना, घर के अंदर हवा का अच्छा आवागमन सुनिश्चित करना, धुएँ और प्रदूषण से बचना और लक्षण बने रहने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना शामिल हैं, ये सभी उपाय आपके फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि फेफड़ों की हर बीमारी को रोकना मुमकिन नहीं है, लेकिन इन स्वस्थ आदतों को अपनाकर सांस से जुड़ी बीमारियों का खतरा काफी कम किया जा सकता है और जीवन भर बेहतर ढंग से सांस लेने में मदद मिल सकती है,

व्रत के दौरान सेंधा नमक का ही क्यों किया जाता है इस्तेमाल, एक्सपर्ट से जानें जवाब



का आगमन न केवल त्योहार का माहौल लाता है, बल्कि हमारे खान-पान की आदतों में भी कई बदलाव लाता है, इन नौ दिनों के दौरान, ज्यादातर लोग सात्विक भोजन करते हैं, यानी ऐसा भोजन जिसमें प्याज, लहसुन, मांस और अंडे शामिल नहीं होते हैं इसके अलावा, आम सफेद नमक की जगह लोग सेंधा नमक (त्वचा सज) का इस्तेमाल करते हैं, ऐसे में, क्या आपने कभी सोचा है कि सफेद नमक की जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल क्यों किया जाता है? आइए जानते हैं... जयपुर के ब्रह्म बिड़ला हॉस्पिटल में सीनियर डाइटेरियन डॉ. दिव्या जैन का कहना है कि सेंधा नमक, जिसे हिमालयन क्रिस्टल सॉल्ट भी कहा जाता है, एक तरह का नमक है जो आम तौर पर इंडियन सबकॉन्टिनेंट के हिमालयी पहाड़ों में पाया जाता है, इसे नमक का सबसे शुद्ध रूप माना जाता है क्योंकि इसमें कोई कैमिकल या जहरीले तत्व नहीं होते, समुद्री नमक की तरह, यह शुद्ध और ऑर्गेनिक होता है, जिन्हें नहीं पता उन्हें बता दें कि रॉक सॉल्ट को 'वेजिटेरियन सॉल्ट' भी कहा जाता है क्योंकि यह समुद्री पानी से नहीं बनाता है, जानकारों के अनुसार, सेंधा नमक शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने और खून बैलेंस बनाए रखने में मदद करता है, ब्लड सर्कुलेशन

और मिनरल बैलेंस को बेहतर बनाकर, यह शरीर से हानिकारक मिनरल जमाव और रिफाईंड नमक के अवशेषों को बाहर निकालने में भी मदद करता है, व्रत के दौरान लोग सेंधा नमक क्यों खाते हैं? डॉ. दिव्या जैन का कहना है कि व्रत के समय ऐसा खाना खाना चाहिए जो पचने में हल्का हो और शरीर से टॉक्सिन्स या जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करे, सेंधा नमक खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ उसे शुद्ध और सेहतमंद बनाए रखने का एक बेहतरीन तरीका है, यह नमक का सबसे शुद्ध रूप है क्योंकि इसे प्रोसेस नहीं किया जाता है, इसके उलट, टेबल सॉल्ट को वाष्पीकरण के बाद कैमिकल प्रोसेस से गुजारा जाता है और अक्सर इसमें आयोडीन मिलाया जाता है, व्रत के दौरान सेंधा नमक फायदेमंद होता है क्योंकि यह शरीर को अंदर से ठंडा रखता है, जबकि दूसरे तरह के नमक शरीर में अंदरूनी गर्मी पैदा कर सकते हैं, सोडियम कम और पोटेशियम ज्यादा होने के कारण, सेंधा नमक इलेक्ट्रोलाइट लेवल को बनाए रखने और एनर्जी देने में मदद करता है, ये दोनों ही चीजें व्रत के दौरान शरीर को एक्टिव रखने के लिए बहुत जरूरी हैं, इसके साथ ही... ब्लड प्रेशर कंट्रोल: 1म नमक में सोडियम की मात्रा ज्यादा होती है

जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है, जबकि सेंधा नमक एक हल्दी विकल्प है, इसमें पोटेशियम होता है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है, इसलिए, हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीज इसे आसानी से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, पाचन में सुधार: जानकारों के अनुसार, आम सफेद नमक की जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल करने से पाचन बेहतर होता है, यह न सिर्फ खाने से जरूरी पोषक तत्वों को सोखने में मदद करता है, बल्कि पेट के छोट-मोटे इन्फेक्शन से भी बचाता है, त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद: सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ-साथ, सेंधा नमक त्वचा और स्कैल्प की अच्छी तरह से सफाई (एक्सफोलिएशन) करता है, आप सेंधा नमक को अपने फेस स्क्रब और पैक में शामिल कर सकते हैं, यह न पोर्स को खोलता है, बल्कि त्वचा को चमकदार भी बनाता है, इसी तरह, स्कैल्प से गंदगी और मृत त्वचा को शिकाओं को आसानी से हटाने के लिए हेयर मास्क में भी सेंधा नमक मिलाया जा सकता है, मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है: जानकारों का कहना है कि सेंधा नमक शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने और शारीरिक क्षमता को बेहतर बनाने में मदद करता है, साथ ही, अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो अपनी डाइट

जानिए क्यों मनाया जाता है महालया और इस दिन क्या करना चाहिए?

सनातन धर्म में महालया को पितृ पक्ष की समाप्ति और शारदीय नवरात्रि की शुरुआत के बीच का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव का समय माना जाता है, महालया अमावस्या (सर्वपितृ अमावस्या) पितृ पक्ष का आखिरी दिन होता है, और इसके अगले दिन से देवी पक्ष और शारदीय नवरात्रि या दुर्गा पूजा की शुरुआत होती है, इस तरह, शारदीय दुर्गा पूजा के उत्सव की शुरुआत महालया से ही हो जाती है, शास्त्रों के अनुसार, इसी दिन देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और इसी दिन वे धरती पमहालय का दिन न केवल शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा की शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि यह दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए जल बढ़ाने का दिन भी है, जो लोग अपने पूर्वजों की पुण्यतिथि पर वार्षिक श्राद्ध कर्म नहीं कर पाते, उनके लिए शास्त्रों में इस दिन यह अनुष्ठान करना उचित माना गया है, चूंकि अमावस्या की तिथि दिवंगत आत्माओं के लिए शुभ मानी जाती है, इसलिए पितृ पक्ष का आखिरी दिन (जो अमावस्या को पड़ता है) पूर्वजों को जल अर्पित करने और उनका आशीर्वाद पाने का एक शुभ अवसर होता है, साल 2026 में महालया शनिवार, 10 अक्टूबर को है, महालया आश्विन अमावस्या को मनाई जाती है, जो पितृ पक्ष का आखिरी दिन होता है, उत्तर भारत में इसी दिन को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से जाना जाता है महालया क्यों खास है सनातन धर्म में 'महालया' के शुभ अवसर पर, लोग अपने पूर्वजों या पितरों की आत्मा की शांति और तुष्टि के लिए 'तर्पण' की रस्म निभाते हैं, महालया की सुबह कोलकाता के बाबूघाट, प्रिंसिप घाट और हुगली नदी के किनारे बने अन्य घाटों पर भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा



देखने को मिलता है, नदी में कमर तक पानी में खड़े होकर, पुरुष अपने पिता और दादा के नाम पर जल, तिल और कुशा घास अर्पित करते हैं, मान्यता के अनुसार, इसी दिन देवी दुर्गा कैलाश से पृथ्वी (अपने मायके) की ओर अपनी यात्रा शुरू करती हैं, दूसरे शब्दों में, यह दिन बंगाली समुदाय के लिए दुर्गा पूजा की शुरुआत का भी प्रतीक है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस दिन देवी दुर्गा पृथ्वी पर आती हैं, इस बीच, उत्तरी कोलकाता के कारीगरों के इलाके कुमारतुली में, मूर्ति बनाने वाले पारंपरिक रूप से महालया के दिन दुर्गा प्रतिमाओं की आंखें बनाते हैं, इस रस्म को 'चक्षुदान' कहा जाता है, तब तक मूर्तियाँ अधूरी रहती हैं, आंखें बन जाने के बाद, ऐसा माना जाता है कि देवी ने सचमुच मिट्टी की मूर्ति में प्राण फूँक दिए हैं, महालय पर क्या करें अगर आप घर पर ही इसे मना रहे हैं, तो सुबह जल्दी उठें और रेडियो या ऑनलाइन पर महिषासुर मर्दिनी सुनें, अपने पूर्वजों के लिए तर्पण (पानी और तिल चढ़ाना) करें, अगर

आपको किसी रिश्तेदार की मृत्यु की सही डेट नहीं पता है, तो महालय के दौरान सभी पूर्वजों के लिए प्रार्थना करें, कौबो और गायों को खाना खिलाएं और जरूरतमंदों को भोजन दान करें, शाम को अपने पूर्वजों के लिए दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके एक दीया जलाएं, फिर, अपने वाले दिनों के लिए तैयार हो जाएं, अपने घर में पूजा की जगह को सड़स बीच, उत्तरी कोलकाता के कारीगरों के इलाके कुमारतुली में, मूर्ति बनाने वाले पारंपरिक रूप से महालया के दिन दुर्गा प्रतिमाओं की आंखें बनाते हैं, इस रस्म को 'चक्षुदान' कहा जाता है, तब तक मूर्तियाँ अधूरी रहती हैं, आंखें बन जाने के बाद, ऐसा माना जाता है कि देवी ने सचमुच मिट्टी की मूर्ति में प्राण फूँक दिए हैं, महालय पर क्या करें अगर आप घर पर ही इसे मना रहे हैं, तो सुबह जल्दी उठें और रेडियो या ऑनलाइन पर महिषासुर मर्दिनी सुनें, अपने पूर्वजों के लिए तर्पण (पानी और तिल चढ़ाना) करें, अगर

सुबह पेट साफ न होने की समस्या?
गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट से जानें आसान उपाय

सकता है, शहद में हल्के एंटीमाइक्रोबियल गुण भी होते हैं, जो अतिरिक्त आराम दे सकते हैं। हल्दी वाला दूध—हल्दी में करक्युमिन होता है, जिसमें सूजन कम करने और इन्फ्लूएन्जा बढ़ाने वाले गुण होते हैं। आधा चम्मच हल्दी मिलाकर एक कप गर्म दूध पीने से नाक की सूजन कम हो सकती है और इन्फ्लूएन्जा बेहतर हो सकती है। हर्बल भाप—भाप लेते समय उसमें पेपरमिंट, कैमोमाइल या थाइम जैसी जड़ी-बूटियाँ मिलाएँ से नाक के रास्ते की जलन शांत हो सकती है और सूजन कम हो सकती है। कुछ मिनटों तक धीरे-धीरे भाप लें और राहत पाने के लिए दिन में 1-2 बार ऐसा करें। गर्म तरल पदार्थ—हर्बल चाय, सूप या गर्म पानी जैसे गर्म तरल पदार्थ खूब पीने से म्यूकस पतला होता है और गला व नाक का रास्ता हाइड्रेटेड रहता है। प्यादा कैफीन या शराब से बचें, क्योंकि इनसे डिहाइड्रेशन बढ़ सकता है। (डिस्कलेमर: यहां दी गई हेल्थ से जुड़ी जानकारी और सुझाव सिर्फ एजुकेशनल मकसद के लिए हैं। हम यह जानकारी साइडिफिक रिसर्च, स्टडीज और मेडिकल और हेल्थ एक्सपर्ट्स की सलाह के आधार पर देते हैं। इन सुझावों को मानने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना सबसे अच्छा है।)

भारतीय सेना ने एशियन गेम्स मेडलिस्ट को किया सम्मानित, सेना प्रमुख ने 'मिशन ओलंपिक विंग' पर दिया बड़ा बयान



नई दिल्ली: भारतीय सेना ने सोमवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में एशियन गेम्स 2026 में मेडल जीतने वाले अपने खिलाड़ियों को सम्मानित किया, बता दें कि सेना के खिलाड़ियों ने इस बार एशियन गेम्स में अपना सबसे शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने कुल 20 मेडल जीते, जिनमें 6 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। इस मौके पर सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सेना के मिशन ओलंपिक विंग की प्रशंसा की और कहा कि इस विंग के द्वारा तैयार किए गए खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करके दिखा दिया है कि वे लॉस एंजेलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। जनरल धीरज ने कहा, 'मैं देश को

यकीन दिलाना चाहता हूँ कि जहाँ तक सेना का सवाल है तो हमने मिशन ओलंपिक विंग के जरिए देश भर में कई खेल केंद्र सक्रिय रूप से स्थापित किए हैं। हमारे पास खेलों में लड़कों और लड़कियों की टीम है, हम प्रत्येक प्रमुख चैंपियनशिप के लिए नए खिलाड़ी तैयार करेंगे और उन्हें देश के लिए खेलने के अवसर प्रदान करेंगे। भारतीय सेना ने एशियन गेम्स मेडलिस्ट को किया सम्मानित भारतीय सेना ने एशियन गेम्स मेडलिस्ट को किया सम्मानित (जुम्ह) ओलंपिक 2028 में कई मेडल आएंगे सेनाध्यक्ष ने ये भी कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि आगामी ओलंपिक खेलों में हमारे खिलाड़ियों में से कई पॉडियम पर जगह बनाएंगे तथा 2028 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक में हमारे

देश के लिए गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज जीतेंगे, इसलिए हम सभी देशवासियों का यह कर्तव्य है कि हम इन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते रहें क्योंकि हर बार जीतना संभव नहीं होता। मैं यह नहीं कहूँगा कि प्रतियोगिता में केवल भाग लेना ही काफी है, भाग लेना महत्वपूर्ण है, लेकिन भाग लेने के साथ-साथ पदक जीतना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ (जुम्ह) मिशन ओलंपिक विंग का मकसद बता दें कि भारतीय सेना ने मिशन ओलंपिक विंग की स्थापना 2001 में की, जिसमें पांच केंद्र रोडिंग नोड, निशानेबाजी नोड, घुड़सवारी नोड, सेलिंग नोड और सेना खेल संस्थान (14) हैं, जिसका मकसद ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना जो स्पोर्ट्स में भारत का नाम रोशन कर सकें। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय सेना के खिलाड़ी हाल ही में जापान के नागोया शहर में खतम हुए एशियन गेम्स 2026 में भारतीय दल के 501 खिलाड़ियों में से सेना के 62 खिलाड़ियों ने भाग लिया था, जिसमें 9 महिला खिलाड़ी भी शामिल थीं, उन्होंने 15 मुकाबलों में भाग लिया था, इन सेना खिलाड़ियों ने कुल 20 मेडल अपने नाम किए, जो कि भारत के कुल 85 मेडल में 23.52 प्रतिशत और गोल्ड मेडल में लगभग 29 प्रतिशत का योगदान है। भारत ने

शेयर बाजार में भारी गिरावट: सेंसेक्स 547 अंक टूटा, निफ्टी 22,363 पर बंद

मुंबई: घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सत्र की तेजी सोमवार को गायब हो गई, कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों (FPIs) की ताबड़तोड़ बिकवाली के दबाव में बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। इसके साथ ही अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी ने भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। इस चौतरफा दबाव के कारण प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़ी गिरावट तीसरे शेरों पर आधारित बीएसई (टेम) सेंसेक्स 547.65 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,924.68 अंक पर बंद हुआ, कारोबार के दौरान बाजार में एक समय इतनी घबराहट थी कि सेंसेक्स 796.23 अंक तक टूट गया था। दूसरी ओर, पचास शेयरों पर आधारित एनएसई (छेम) निफ्टी भी 157.10 अंक यानी 0.70 प्रतिशत के नुकसान के साथ 22,363.35 अंक पर सिमट गया। मूव् टीएनएजआज का बाजार (मूव् टीएनएज)इन दिग्गज शेयरों में रही सबसे ज्यादा बिकवाली आज के कारोबार में सेंसेक्स की बड़ी कंपनियों में तनड़ी मुनाफावसूली देखने को मिली, दिग्गज एफएमसीजी और आईटी शेयरों ने बाजार को सबसे ज्यादा नीचे खींचा, इसमें प्रमुख रूप से आईटीसी (एन), टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिटीवर (एन), लार्सन एंड



टुब्रो (एन-ए), भारतीय स्टेट बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, इस गिरावट के दौर में भी कुछ शेयरों ने मजबूती दिखाई, लाम में रहने वाले प्रमुख कार्टर्स में भारत इलेक्ट्रोनिक्स (एम्), महिंद्रा एंड महिंद्रा (ड-ड), कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक (एम् जम्बी) शामिल रहे। मूव् टीएनएजआज के बढ़ने वाले प्रमुख शेयर (मूव् टीएनएज) गिरावट के तीन बड़े कारण बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बड़ी गिरावट के पीछे तीन मुख्य वजहें रहीं, पहला, वैश्विक तेल मानक ब्रेट क्रूड का वायदा भाव 1.14 प्रतिशत बढ़कर 105.8 डॉलर प्रति

बैरल पर पहुंच गया, जिससे महंगाई की चिंता बढ़ी, दूसरा, अमेरिका और भारत में 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर प्रतिफल तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, तीसरा, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (FPIs) ने पिछले कारोबारी सत्र में 3,568.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, आज के गिरने वाले प्रमुख शेयर (मूव् टीएनएज) एशियाई बाजारों का हाल एशिया के अन्य बाजारों में भी सुस्ती का माहौल रहा, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट

भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से पांच टी20 मैचों की सीरीज के साथ शुरू होगा।

भारत और न्यूजीलैंड तीनों फॉर्मेट की एक ऐतिहासिक सीरीज खेलने वाले हैं, जिसकी मेजबानी न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड करेगा, इस सीरीज में कुल 12 मैच खेले जाएंगे, जो कि न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास की सबसे लंबी घरेलू सीरीज होगी, सीरीज की शुरुआत 22 अक्टूबर से टी20 मैच के साथ होगी, लेकिन जैसे-जैसे इस सीरीज के दिन करीब आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे न्यूजीलैंड की परेशानी बढ़ती जा रही है, अब तक उनके 4 बड़े खिलाड़ी चोट की वजह से टी20 सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि एक खिलाड़ी पूरी सीरीज से ही बाह हो गया है,



तेज गेंदबाज विल ओरूफ़े सीरीज से बाहर हो गए हैं, वे अभी भी अपनी बाईं हेमस्ट्रिंग और काफ (पिंडली) की चोट से उबर रहे हैं, 25 वर्षीय ओरूफ़े पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण सात महीने तक बाहर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में ही इंटरनेशनल क्रिकेट में लौटे थे, टीम के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि यह फंसता ओरूफ़े और टीम के मेडिकल स्टाफ के साथ मिलकर लिया गया है, ताकि तेज गेंदबाज को ठीक होने और बिना किसी और परेशानी के अपना बॉलिंग वर्कलोड बढ़ाने के लिए पर्याप्त समय मिल सके, मार्क चौपमैन (एनए)ओरूफ़े का इस सीरीज में न होना न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी अटैक के लिए एक झटका

न्यूजीलैंड का योथा खिलाड़ी सीरीज से बाहर इससे पहले शनिवार को बल्लेबाज मार्क चौपमैन और ऑलराउंडर जैक फोल्क्स को चोट के चलते ज20 टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह जोश बत्तार्कसन और ब्लेयर टिकनर को शामिल किया गया इससे पहले टीम यूबा आलराउंडर राधिन

रविंद्र भी चोट की वजह से टी20 सीरीज के लिए स्ववाद में नहीं चुने गए थे, एक प्रमो शूट का दौरान डाइव लगाकर कैच पकड़ते समय उनके कंधे में कड़ी ज्यादा चोट लग गई थी, मार्क चौपमैनमार्क चौपमैन (एनए)भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर को पांच ज20 इंटरनेशनल मैचों के साथ शुरू होगा, जिसके बाद पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे, न्यूजीलैंड ने इस सीरीज के लिए टी20 स्ववाद का ऐलान कर चुका है और वो रविवार को वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा करने वाले हैं,

ठब्ब में निकली वैकेंसी, करीब एक करोड़ है सैलरी, जानें कैसे करें अप्लाई?

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (ठब्ब) ने मंगलवार को एक पद पर वैकेंसी निकाली है, जो पद चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर का कार्यकाल समाप्त होने के बाद खाली हुआ है, इसलिए बोर्ड ने उस पद को भरने के लिए एक आवेदन पत्र मांगे हैं, अगरकर का कार्यकाल चार अक्टूबर को समाप्त हो चुका है, अब पुरुष टीम की सिलेक्शन कमेटी में प्रज्ञान ओझा, शिव सुंदर दास, अजय रात्रा और आरपी सिंह मौजूदा सदस्य हैं, पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा फिलहाल चयन समिति के अंतरिम



अध्यक्ष हैं,

पुरुष टीम की सिलेक्शन कमेटी में

कुल पांच लोग होते हैं जो टेस्ट, वनडे इंटरनेशनल, ज20 इंटरनेशनल और किसी भी अन्य फॉर्मेट में प्रतिनिधित्व के लिए सीनियर नेशनल पुरुष टीम को चुनने के लिए जिम्मेदार होते हैं, यह कमेटी टैलेंट की पहचान करने और सीनियर नेशनल पुरुष टीम के लिए मजबूत बैच स्ट्रेंथ तैयार करने में भी अहम भूमिका निभाती है, रिपोर्ट्स के अनुसार सिलेक्शन कमेटी के सदस्यों की सैलरी लगभग 90 लाख होती है, जबकि चीफ सिलेक्टर की सैलरी

नई दिल्ली: जीएसटी काउंसिल 8 अक्टूबर को होने वाली बैठक में जीएसटी सुधारों के अगले चरण पर विचार करेगी, मुख्य ध्यान प्रक्रियाओं को सरल बनाने, इनपुट टैक्स क्रेडिट का वायदा बढ़ाने, रिफंड को आसान बनाने, सेवाओं के निर्यात और छोटे व्यवसायों के लिए नियमों के पालन को आसान करने पर होगा, अधिका, रिफ सूत्रों ने ईटीवी भारत को बताया कि राज्यों के लिए राजस्व की निश्चितता, जो जीएसटी के शुरुआती वर्षों में एक बड़ी चिंता थी, वह अब सुलझ चुकी है, इसके अलावा, टैक्स दरों के दावे में सबसे बड़ा बदलाव भी पिछले साल ही पूरा कर लिया गया था, अब चूंकि तकनीक अधिक परिपक्व हो चुकी है, इसलिए शुरुआती वर्षों में लागू किए गए कई कड़े सुरक्षा उपायों में ढील दी जा सकती है, वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ये सुधार मुख्य रूप से पांच क्षेत्रों पर केंद्रित हैं— प्रक्रिया सुधार, बांवागत बदलाव, जीवन और व्यापार करने में सुगमता, सेवाओं का निर्यात और इलेक्ट्रॉनिक कोमर्स (ई-कॉमर्स), प्रक्रिया सुधारों के तहत उद्देश्य यह है कि जीएसटी सिस्टम उन कामों को खुद डेटा के माध्यम से संभाले जिन्हें ऑटोमेटिक किया जा सकता है, जबकि अधिकारी केवल उन मामलों पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें निर्णय या विवेक की आवश्यकता होती है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान में, 61 प्रतिशत करदाताओं को बिना किसी अधिकारी के हस्तक्षेप

के केवल तीन कार्य दिवसों के भीतर रजिस्ट्रेशन मिल रहा है, बाकी बचे करदाताओं के लिए भी प्रक्रिया को आसान बनाने का प्रस्ताव है ताकि अनावश्यक पृष्ठताछ को कम किया जा सके और आवेदनों के खारिज होने से बचा जा सके, इनपुट टैक्स क्रेडिट में बदलाव की तैयारी जीएसटी सुधारों के इन प्रस्तावों में 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (एनए) को बांवागत सुधारों के केंद्र में रखा गया है, अधिकारी ने कहा कि यदि किसी खरीदार के पास वैध इनवॉइस है, उसने सामान प्राप्त कर लिया है और सप्लायर को टैक्स सहित पूरा भुगतान कर दिया है, तो उसे इनपुट क्रेडिट का लाभ मिलना चाहिए, प्रस्ताव में कहा गया है कि यह इस बात पर निर्भर नहीं होना चाहिए कि सप्लायर चैन में आगे किसी अन्य व्यक्ति ने सरकार को टैक्स चुकाया है या नहीं,

इसके अलावा, व्यापार की उन लागतों को भी क्रेडिट देन के दायरे में वापस लाने का प्रस्ताव है जिन्हें वर्तमान में इससे बाहर रखा गया है, अधिकारी ने आगे जोड़ा कि वर्तमान में ऐसी लागतों पर चुकाया गया टैक्स व्यापार की लागत का हिस्सा बन जाता है, जिससे सामान की कीमतें बढ़ जाती हैं और अब इसमें सुधार होगा, जीएसटी के इन प्रस्तावों में यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि एक ही तरह के व्यवसाय में दो बार टैक्स न लगे, साथ ही, रिफंड के दायरे को भी बढ़ाया जाएगा ताकि सेवाओं, प्लांट और मशीनरी पर

चुकाए गए टैक्स को भी इसमें कवर किया जा सके, करदाताओं के लिए अधिक सुगमता अधिकारी ने बताया कि रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया में भी बदलाव का प्रस्ताव है, जिससे सुधारों को सही तरीके से दर्ज किया जा सके और उससे जुड़े बदलाव खरीदार के लेजर में अपने आप दिखने लगें, यह इनवॉइस मैचिंग सिस्टम रिकॉर्डिंग के समय ही इनपुट टैक्स क्रेडिट की पुष्टि कर देगा, जिससे डेटा के मिसमैच होने वाले नोटिसेस में कमी आएगी, इसके अलावा, रिफंड मिलने की सूचना भी जल्द दी जाएगी, वित्त मंत्रालय का मानना है कि इन सुधारों का उद्देश्य करदाताओं के लिए रोजमर्रा के नियमों के पालन को बोझ को भी कम करना है, वर्तमान में 61 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन पहले से ही तीन कार्य दिवसों के भीतर ऑटोमेटिक तरीके से दिए जा रहे हैं, अब रजिस्ट्रेशन में सुधार के 66 प्रतिशत आवेदनों को बिना किसी अधिकारी के हस्तक्षेप के प्रोसेस करने का प्रस्ताव है, साथ ही, केवल उपमोक्षकों को सामान बेचने वाले छोटे करदाताओं के लिए यह प्रस्ताव है कि वे हर महीने के बजाय साल में केवल एक बार रिटर्न दाखिल करें, हालांकि, वह अभी आगे की चर्चा के लिए केवल एक कॉन्सेप्ट नोट है, आधिकारिक सूत्रों ने ईटीवी भारत को बताया कि यदि रिफंड के दावे को 10 दिनों के भीतर स्वीकार नहीं किया जाता है, तो उसे स्वीकृत मान लिया जाएगा, रिस्क चेक होने पर रिफंड राशि का 90 प्रतिशत हिस्सा तुरंत जारी कर दिया जाएगा, जिसे बाद में

आसान होगा रजिस्ट्रेशन और फटाफट मिलेगा रिफंड, जीएसटी काउंसिल की बैठक में बड़ा बदलाव संभव



‘फटा पटाखा’ सॉन्ग में यामी गौतम ने जॉम्बीज के साथ जमाई महफिल, ‘नई नवेली’ का दूसरा गाना रिलीज

हैदराबाद: अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और कलर वेलो के साथ मिल कर जी म्यूजिक कंपनी ने ‘नई नवेली’ का दूसरा गाना ‘फटा पटाखा’ आज रिलीज कर दिया है. गाने को जी. वी. प्रकाश कुमार ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल वायु ने लिखे हैं और मधुबंती बागची ने इसे अपनी आवाज से सजाया है। इस हाई-एनर्जी ट्रैक को विजय गॉंग, ली ने कोरियोग्राफ किया है. गाने में यामी गौतम घर एक अनोखी जॉम्बी डांस पार्टी के बीच दिखाई दे रही हैं, जिसके बारे में कभी इसी ने सोचा नहीं होगा. बांधे रखने वाले बीट्स, कैची हुक स्टेप और लार्जर देन लाइफ की कोरियोग्राफी से भरपूर ‘फटा पटाखा’ फिल्म की फैंटेसी दुनिया में एक मजेदार म्यूजिकल ट्विस्ट लेकर आता है. गाने में जॉम्बीज की मौजूदगी भी पार्टी की जान फूंकती है. अपनी जश्न मनाने वाली एनर्जी, जबरदस्त रिदम और डांस करने पर मजबूर कर देने वाले हुक के साथ यह गाना बिल्कुल सही वक्त पर आया है और यही वजह है कि नवरात्रि में मौके पर यह सभी पसंदीदा बनने को तैयार है. ऐसे में यह गाना फेस्टिव डांस फ्लोर पर जॉम्बीज का एक अनोखा ट्विस्ट लेकर आ रहा है.

जी. वी. प्रकाश कुमार ने कहा, ‘फटा पटाखा’ ने हमें एक बहुत ही अलग म्यूजिकल दुनिया के साथ प्रयोग करने का मौका दिया. आइडिया यह था ‘नई नवेली’ की दुनिया को लेकर एक ऐसे ट्रैक बनाया जाए, जो बिना वक्त गंवाए जश्न मनाने वाला महसूस हो. मैं चाहता था कि कम्पोजिशन में



एक मजबूत हुक और एक ऐसी एनर्जी हो जो आपके साथ रहे. वायु के बोल और मधुबंती की आवाज ने बिल्कुल वही मजेदार, बेबाक क्वालिटी लाई है, जो गाने को चाहिए थी, और यामी की परफॉर्मेंस उस एनर्जी को एक और तेजवर ऊपर ले जाती है. मधुबंती बागची ने आगे कहा, ‘फटा पटाखा’ पूरी तरह से, बेबाक मंडेनेस है, जो ह्यूमर और जबरदस्त एनर्जी से

भरपूर है. इसे रिकॉर्ड करना एक असली धमाका था क्योंकि यह ट्रैक इतना लार्जर-दन-लाइफ है, उस मस्तीभरे, हाई-ऑक्टन एज के साथ. जी. वी. प्रकाश कुमार और वायु की क्रिएटिव जोड़ी ने इसे उन सबसे एक्साइटिंग ट्रैक्स में से एक बना दिया है, जो मैंने अभी तक रिकॉर्ड किए हैं. मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ, लोगों को इस पर डांस करते

अविनाश मिश्रा-ईशा सिंह का रिलेशनशिप कंफर्म? ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ के विनर ने पार्टी में खुलेआम बोला- आई लव यू बेबी

बिग बॉस 18 कंटेस्टेंट रहे अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं. उनकी बॉन्डिंग अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है. हालांकि दोनों ने हमेशा यही कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं, लेकिन एक नए वीडियो ने एक बार फिर फैंस के मन में यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या उनके रिश्ते में कुछ और भी है.

सोशल मीडिया पर रोहित शेट्टी के शो ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ के विनर एक्टर अविनाश मिश्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो को देखकर ऐसा लगता है कि उन्होंने ईशा सिंह के साथ अपने रिश्ते को सबके सामने जाहिर कर दिया है. वीडियो में अविनाश ईशा को उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हुए और ‘आई लव यू, बेबी’ कहते हुए नजर आ रहे हैं. साथ ही, वह मेहमानों से इस वीडियो को पोस्ट न करने के लिए भी कह रहे हैं. वायरल हो रहे भावुक होती दिखी, जीत के बाद, अविनाश तुरंत ईशा के पास गए और उन्हें गले लगाया, साथ ही उनके गाल पर किस भी किया. अविनाश और ईशा की पहली मुलाकात ‘बिग बॉस 18’ में हुई थी. हालांकि दोनों ने कई बार रोमांस की खबरों को नकारा है और कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त वीडियो में अविनाश को यह कहते हुए देखा जा



सकता है. मैं शुक्रगुजार और खुशकिस्मत हूँ कि ईशा मेरी जिंदगी में हैं. इसके बाद ईशा और उनके दोस्त उन्हें आगे बोलने के लिए कहते हैं, ‘आगे तो बोलो.’ फिर अविनाश कहते हैं, ‘आई लव यू, बेबी.’ ईशा खुशी से जवाब देती हैं, ‘ओके आई लव यू टू,’ और फिर वहीं से चली जाती हैं. यह वायरल वीडियो ‘खतरा’ के खिलाड़ी 15’ में अविनाश की जीत के बाद सामने आया है. जब रोहित शेट्टी ने ग्रैंड फिनाले में उन्हें विजेता घोषित किया, तो एक्टर की आंखों से आंसू छलक पड़े. वहीं, उन्हें सपोर्ट करने के लिए वहां मौजूद ईशा

भी भावुक होती दिखी. जीत के बाद, अविनाश तुरंत ईशा के पास गए और उन्हें गले लगाया, साथ ही उनके गाल पर किस भी किया. अविनाश और ईशा की पहली मुलाकात ‘बिग बॉस 18’ में हुई थी. हालांकि दोनों ने कई बार रोमांस की खबरों को नकारा है और कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं. लघुघोषित किया, तो एक्टर की आंखों से किन उनकी बॉन्डिंग और हाल के वीडियो कुछ और ही कहानी बयां करते हैं. दोनों का अक्सर साथ दिखना, एक-दूसरे के लिए सोशल मीडिया पोस्ट और प्यार भरे पल अक्सर फैंस का ध्यान खींचते रहे हैं.

‘रामायण’ से लारा दत्ता और शीबा चड्ढा का पोस्टर रिलीज, ‘कैकेयी’ और ‘मंथरा’ के रोल में दिखा अलग अवतार

हैदराबाद: रामायण के मेकर्स नमित मल्होत्रा ने फिल्म से रानी कैकेयी के रूप में लारा दत्ता और मंथरा के रूप में शीबा चड्ढा के कैरेक्टर पोस्टरों से पर्दा उठा दिया है. यह पोस्टर महाकाव्य के दो अहम किरदारों को सामने लाते हुए उन घटनाओं की तरफ इशारा करते हैं कि कैसे ये भगवान राम का भाग्य हमेशा के लिए बदल देंगी कहानी के टर्निंग प्वाइंट की ओर इशारा किया है. रानी कैकेयी की दो इच्छाएं जो राजा दशरथ और उनके बेटे भगवान राम के लिए सब कुछ बदल देती हैं, वहीं रानी के इस कदम के पीछे मौजूद मंथरा की बातें होती हैं, जो ऐसी घटनाओं का सिलसिला शुरू करती हैं, जिससे पूरे



राज्य का भविष्य बदल जाता है. यह दोनों नए पोस्टरों अरुण गोविल के राजा दशरथ के रूप में जारी किए गए पोस्टर के बाद सामने आए हैं. अरुण गोविल जिन्होंने कई पीढ़ियों के

दिलों में भगवान राम के रूप में टीवी पर अपनी पहचान बनाई, वह अब अयोध्या के राजा दशरथ के रूप में रामायण की दुनिया के जरिए लौट रहे हैं. पोस्टर में शाही अंदाज में लारा दत्ता के कैकेयी अवतार को पेश किया गया है, जिसमें शानदार पारंपरिक पोशाक और गहना. मैं वह अयोध्या की रानी के तौर पर नजर आ रही हूँ. वहीं, शीबा चड्ढा का मंथरा के किरदार में लुक बेहद अलग है, जिसमें वे अपने हाथों में अपनी कुछ चीजें पकड़ी हुई नजर आ रही हैं. मेकर्स ने पोस्टरों शोहर करते हुए सोशल मीडिया पर

बिपाशा बसु की सालों बाद पर्दे पर वापसी, कैटरिना कैफ के देवर संग की शूटिंग शुरू, जानें नए प्रोजेक्ट के बारे में



हैदराबाद: पॉपुलर बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु शादी के 11 साल बाद इसकी निर्माता है. यह अलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही है. सीरीज की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है. सीरीज की अहन स्टारकास्ट में बिपाशा बसु, सनी कौशल और विशाल जेट्टा शामिल हैं. यह सीरीज प्राइम वीडियो पर देखने को मिलेगी. बिपाशा बसु ने शेरर किया पोस्ट बिपाशा बसु ने भी इस पोस्ट को शेयर किया है. पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, ‘बेहद खुशी और आभार के साथ, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने एक और खूबसूरत सिनेमेटिक सफर की शूटिंग शुरू कर दी है. यह कहानी सच में बहुत खास है और हमारे दिल के बहुत करीब है. एक ऐसी कहानी जिसमें अभी कोई नाम नहीं दिया गया है, लेकिन एक

को कश्यप कपूर और राघव राज कक्कर ने लिखा है. प्रमलीन संधू इसके निर्माता है. यह अलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही है. सीरीज की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है. सीरीज की अहन स्टारकास्ट में बिपाशा बसु, सनी कौशल और विशाल जेट्टा शामिल हैं. यह सीरीज प्राइम वीडियो पर देखने को मिलेगी. बिपाशा बसु ने शेरर किया पोस्ट बिपाशा बसु ने भी इस पोस्ट को शेयर किया है. पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, ‘बेहद खुशी और आभार के साथ, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने एक और खूबसूरत सिनेमेटिक सफर की शूटिंग शुरू कर दी है. यह कहानी सच में बहुत खास है और हमारे दिल के बहुत करीब है. एक ऐसी कहानी जिसमें अभी कोई नाम नहीं दिया गया है, लेकिन एक

शानदार टीम के साथ यह सपना पहले से ही आकार ले रहा है. हंसल मेहता के नेतृत्व में और सनी कौशल, बिपाशा बसु व विशाल जेट्टा जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ, यह सफर वाकई यादगार होने वाला है. नई शुरुआत, यादगार सहयोग और कहानी कहने के जादू के नाम, महाद, व के आशीर्वाद से, एक और खूबसूरत सफर की शुरुआत हो. 11 साल से कहाँ थी बिपाशा बसु? बता दें, फिल्म अलोन के सेट पर बिपाशा को करण सिंह शोहर से प्यार हो गया था. साल 2016 में दोनों ने शादी कर ली. शादी के छह साल बाद कपल को एक बेटी (12 नवंबर 2022) हुई. बीते चार साल से बिपाशा-करण अपनी बेटी के साथ टाइम बिता रहे हैं. वहीं, साल 2018 में बिपाशा ने फिल्म वेलकम टू न्यूवॉर्क में कैमियो किया था. वहीं,

आइकॉन स्टार अल्लु अर्जुन और डायरेक्टर लोकेश कनगराज ने साथ में एक तस्वीर शेयर की है.

हैदराबाद: चैन-इंडिया सुपरस्टार अल्लु अर्जुन की दुनिया भर में जबरदस्त फैन फॉलोइंग है. ऐसे में सुपरस्टार पुष्पा फ्रैंचाइजी की जबरदस्त कामयाबी से एक एक स्टैंडर्ड सेट करने के बाद, अपनी आगामी फिल्म, शका के लिए उत्सुकता को अलग लेवल पर पहुँचा दिया है. बता दें कि फिल्म की पहली झलक सामने आने के बाद से ही हर तरफ इसके लेकर जबरदस्त हलचल का माहौल बन गया है. हालांकि, जहां हर कोई फिल्म से जुड़ी और अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहा है. वहीं सुपरस्टार ने फिल्म में लोकेश कनगराज के साथ काम करने के बारे में एक और दिलचस्प अपडेट के लिए भी तैयारी शुरू कर दी है. बता दें कि फिल्म का टैटल विली टाइटल 1।23 है.

हाल ही की बात करें तो, लोकेश कनगराज ने सोशल मीडिया पर अल्लु अर्जुन के साथ एक डिस्कशन शेयर से ली गई विहाइड द सीन की तस्वीर साझा की है. एक सेटअप की बालकनी ने बेटे दोनों पावरहाउस. एक सीरियस नैरेटिव डिस्कशन पर विचार करते नजर आ रहे हैं. इस दौरान अल्लु अर्जुन स्टायलिश शॉर्ट-क्रॉप्ड हेयरस्टाइल, चरमा और प्रिंटेड कैजुअल शर्ट पहने, लोकेश के इशारों को ध्यान से सुनते हुए सीन को ब्रेक कर रहे हैं. सामने आई तस्वीर के फ्रेम में मौजूद एनर्जी सब कुछ बयां कर रही है, यानी विहाइड द सीन कुछ बहुत बड़ा हो रहा है. तस्वीर को पोस्ट करते हुए लोकेश ने लिखा है, ‘इंटरस्टिंग अपडेट्स जल्द आ रहे हैं यह कमाल का अपडेट ऐसे वक्त में आया है. जब फिल्म के म्यूजिक ने एक बड़ी सफलता हासिल की है. हाल ही में 1।23 के इवनिंग चर्चा का माहौल गर्मा गया. और यह तब और बढ़ गया, जब ₹23जैमउम ने इंस्टाग्राम पर 10 लाख से ज्यादा रील्स में इस्तेमाल होने वाला पहला थीम ओएसटी (जै) बनकर रिकॉर्ड तोड़ दिया. अनिरुद्ध रविचंद्र की दमदार कंपोजिशन और अल्लु अर्जुन की बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक कामयाबी की ओर इशारा करते लिрикस की वजह से यह ट्रैक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है. इस बड़ी सफलता को सेलिब्रेट करते हुए लोकेश ने हाल ही में एक तस्वीर



शेयर की, जिसमें उन्होंने इस मशहूर लिरिक की ओर इशारा करते हुए कैप्शन लिखा, ‘सब मिलाकर देखें तो, ये हम ही हैं. वहीं, मेकर्स माइथ्री मूवी मेकर्स ने पुष्टि की है कि इस बड़े कॉलेबोरेशन की शूटिंग 2026 में शुरू होगी. इस पोस्ट ने तुरंत पूरे देश के सिनेमा लवर्स और फैंस के बीच तहलका मचा दिया. इंडियन सिनेमा के दो सबसे मशहूर क्रिएटर्स को एक साथ किसी प्रोजेक्ट के लिए आते देखकर हाइप का तेंवल एकदम ऑन-टाइम हाई पर पहुँच गया है. एक तरफ जहां लोकेश अपनी वर्ल्ड-क्लास एक्शन स्टोरीटेलिंग और जबरदस्त युनिवर्स-बिल्डिंग के लिए जाने जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ अल्लु अर्जुन अपनी बेमिसाल स्क्रीन प्रेजेंस और बॉक्स-ऑफिस पर दबदबे

के लिए जाने जाते हैं, ऐसे में फैंस एक ऐसे सिनेमेटिक तूफान के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं जो पहले कभी नहीं देखा गया. 1।23 का डायरेक्शन विजनरी फिल्ममेकर लोकेश कनगराज कर रहे हैं और इसे जाने माने बैनर माइथ्री मूवी मेकर्स का समर्थन प्राप्त है, जो ग्लोबल ब्लॉकबस्टर ‘पुष्पा’ फ्रैंचाइजी के पीछे का पावरहाउस प्रोडक्शन हाउस है. इस उत्साह को और बढ़ाने वाले हैं म्यूजिकल जीनियस अनिरुद्ध रविचंद्र, जो हाल के समय के सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले संगीतकार हैं और जो 1।23 के लिए संगीत तैयार करने जा रहे हैं. एक अनोखी टीम के एक साथ आने से, 1।23 बिना किसी शक भारतीय सिनेमा द्वारा अब तक देखे गए सबसे